" **परियोजना** का शीर्षक"

“ ूद्रक कृत मृच्छकतिक का सामाजिक द्रश्टि से मूल्यांकन”

"परियोजना कार्य"

"**एम . ए** (संस्कृत) की डिग्री के लिए आवश्यकताओं की आंशिक पूर्ति में प्रस्तुत"

2024

"पर्यवेक्षक"

"डॉ मानि ा सिंह

संस्कृत विभाग प्रमुख

जे .एस विश्वविद्यालय,

शिकोहाबाद, उत्तर प्रदेश

“ भोधार्थी”

अं ू यादव

क्रमांक सख्या–224010213001

कला संकाय , हिन्दी विभाग

जे .एस विश्वविद्यालय,

शिकोहाबाद, उत्तर प्रदेश

– 283135

आभार

मैं अपना **एम.ए.** प्रोजेक्ट कार्य सफलतापूर्वक पूरा करने पर हार्दिक आभार व्यक्त करता/करती हूँ। इस प्रोजेक्ट के दौरान मुझे जिन व्यक्तियों का सहयोग प्राप्त हुआ, उनके प्रति मैं दिल से आभार प्रकट करना चाहता/चाहती हूँ।

सबसे पहले, मैं अपने मार्गदर्शक [**डॉ मानि ा सिंह**] का धन्यवाद करना चाहता/चाहती हूँ, जिन्होंने मुझे इस प्रोजेक्ट के दौरान बहुमूल्य मार्गदर्शन और समर्थन प्रदान किया। उनकी सलाह और प्रेरणा के बिना, यह कार्य संभव नहीं हो पाता।

इसके अलावा, मैं अपने माता-पिता, परिवार के सदस्यों और दोस्तों का आभार व्यक्त करता/करती हूँ, जिन्होंने मुझे निरंतर प्रोत्साहन और समर्थन दिया। उनके सहयोग और विश्वास ने मुझे इस प्रोजेक्ट को पूरा करने में सक्षम बनाया।

अंत में, मैं उन सभी स्रोतों, लेखकों और विद्वानों का धन्यवाद करना चाहता/चाहती हूँ, जिनके कार्यों ने मेरे शोध में योगदान दिया। उनके ज्ञान ने मुझे इस प्रोजेक्ट को अधिक समृद्ध और सार्थक बनाने में मदद की।

धन्यवाद।

नाम — अं ू यादव

संस्थान का नाम – **जे .एस विश्वविद्यालय,**
शिकोहाबाद, उत्तर प्रदेश

घोषणा पत्र

मैं, अं ू यादव **,एम. ए** संस्कृत विभाग छात्र, यह घोषणा करता/करती हूँ कि मैंने " ूद्रक कृत मृच्छकतिक का सामाजिक द्रश्टि से मूल्यांकन"शीर्षक से प्रोजेक्ट कार्य स्वयं द्वारा, मार्गदर्शन में पूरा किया है।
इस प्रोजेक्ट के सभी तथ्यों, आंकड़ों और सूचनाओं का संग्रहण एवं प्रस्तुतीकरण मेरी अपनी मेहनत और शोध का परिणाम है।

इस प्रोजेक्ट कार्य में प्रस्तुत जानकारी सत्य और सटीक है। मैंने इस प्रोजेक्ट को बनाने के लिए किसी भी अन्य स्रोत से नकल नहीं की है और न ही किसी अन्य व्यक्ति की सहायता से इसे पूरा किया है। यदि इस प्रोजेक्ट कार्य में किसी प्रकार की त्रुटि या गलती पाई जाती है, तो उसकी पूरी जिम्मेदारी मेरी होगी।

दिनांक: 12/7/2024
स्थान: ि ाकोहावाद
नाम: अं ू यादव
कक्षा/विभाग: संस्कृत विभाग

प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी ने **अं ू यादव ,**विश्वविद्यालय/संस्थान **जे .एस विश्वविद्यालय,** के संस्कृत विभाग अंतर्गत [**" ूद्रक कृत मृच्छकतिक का सामाजिक द्रश्टि से मूल्यांकन"**] पर सफलतापूर्वक शोध कार्य पूर्ण किया है।

इनके द्वारा प्रस्तुत शोध कार्य, [शोध गाइड/सुपरवाइज़र का नाम] के मार्गदर्शन में किया गया है। प्रस्तुत शोध कार्य को ध्यान में रखते हुए संतोषजनक रूप से पूर्ण किया गया है।

हम इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

तिथि: [प्रमाण पत्र जारी करने की तिथि]
स्थान: [स्थान का नाम]

हस्ताक्षर:
[पद]
(शोध गाइड का नाम) - डॉ मानि ाा सिंह
[विभाग/संस्थान का नाम] - संस्कृत विभाग
जे .एस विश्वविद्यालय,
शिकोहाबाद, उत्तर प्रदेश

" **परियोजना** का शीर्षक"

" ूद्रक कृत मृच्छकटिक में वर्णित निर्धनता समाजिक समीक्षा आलोचनात्मक अध्ययन"

"परियोजना कार्य"

"**एम. ए** (संस्कृत) की डिग्री के लिए आवश्यकताओं की आंशिक पूर्ति में प्रस्तुत"

2024

"पर्यवेक्षक"

"डॉ मानि ाा सिंह

संस्कृत विभाग प्रमुख

जे .एस विश्वविद्यालय,

शिकोहाबाद, उत्तर प्रदेश

" भोधार्थी"

ाालिनी

क्रमांक सख्या–224010204001

कला संकाय , हिन्दी विभाग

जे .एस विश्वविद्यालय,
शिकोहाबाद, उत्तर प्रदेश
– 283135

आभार

मैं अपना **एम.ए.** प्रोजेक्ट कार्य सफलतापूर्वक पूरा करने पर हार्दिक आभार व्यक्त करता/करती हूँ। इस प्रोजेक्ट के दौरान मुझे जिन व्यक्तियों का सहयोग प्राप्त हुआ, उनके प्रति मैं दिल से आभार प्रकट करना चाहता/चाहती हूँ।

सबसे पहले, मैं अपने मार्गदर्शक [मार्गदर्शक का नाम] का धन्यवाद करना चाहता/चाहती हूँ, जिन्होंने मुझे इस प्रोजेक्ट के दौरान बहुमूल्य मार्गदर्शन और समर्थन प्रदान किया। उनकी सलाह और प्रेरणा के बिना, यह कार्य संभव नहीं हो पाता।

इसके अलावा, मैं अपने माता-पिता, परिवार के सदस्यों और दोस्तों का आभार व्यक्त करता/करती हूँ, जिन्होंने मुझे निरंतर प्रोत्साहन और समर्थन दिया। उनके सहयोग और विश्वास ने मुझे इस प्रोजेक्ट को पूरा करने में सक्षम बनाया।

अंत में, मैं उन सभी स्रोतों, लेखकों और विद्वानों का धन्यवाद करना चाहता/चाहती हूँ, जिनके कार्यों ने मेरे शोध में योगदान दिया। उनके ज्ञान ने मुझे इस प्रोजेक्ट को अधिक समृद्ध और सार्थक बनाने में मदद की।

धन्यवाद।

नाम — ाालिनी

संस्थान का नाम – **जे .एस विश्वविद्यालय,**
शिकोहाबाद, उत्तर प्रदेश

घोषणा पत्र

मैं, भालिनी ,एम. ए संस्कृत विभाग छात्र, यह घोषणा करता/करती हूँ कि मैंने " ूद्रक कृत मृच्छकटिक में वर्णित निर्धनता समाजिक समीक्षा आलोचनात्मक अध्ययन"शीर्षक से प्रोजेक्ट कार्य स्वयं द्वारा, मार्गदर्शन में पूरा किया है। इस प्रोजेक्ट के सभी तथ्यों, आंकड़ों और सूचनाओं का संग्रहण एवं प्रस्तुतीकरण मेरी अपनी मेहनत और शोध का परिणाम है।

इस प्रोजेक्ट कार्य में प्रस्तुत जानकारी सत्य और सटीक है। मैंने इस प्रोजेक्ट को बनाने के लिए किसी भी अन्य स्रोत से नकल नहीं की है और न ही किसी अन्य व्यक्ति की सहायता से इसे पूरा किया है। यदि इस प्रोजेक्ट कार्य में किसी प्रकार की त्रुटि या गलती पाई जाती है, तो उसकी पूरी जिम्मेदारी मेरी होगी।

दिनांक: 1/7/2024
स्थान: ि◌ाकोहावाद
नाम: भालिनी
कक्षा/विभाग: संस्कृत विभाग

प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी भाालिनी ने,विश्वविद्यालय/संस्थान **जे .एस विश्वविद्यालय,** के संस्कृत विभाग अंतर्गत " ूद्रक कृत मृच्छकटिक में वर्णित निर्धनता समाजिक समीक्षा आलोचनात्मक अध्ययन"पर सफलतापूर्वक शोध कार्य पूर्ण किया है।

इनके द्वारा प्रस्तुत शोध कार्य, [शोध गाइड/सुपरवाइज़र का नाम] के मार्गदर्शन में किया गया है। प्रस्तुत शोध कार्य को ध्यान में रखते हुए संतोषजनक रूप से पूर्ण किया गया है।

हम इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

तिथि: [प्रमाण पत्र जारी करने की तिथि]
स्थान: [स्थान का नाम]

हस्ताक्षर:
[पद]
(शोध गाइड का नाम) - डॉ मानि ाा सिंह
[विभाग/संस्थान का नाम] - संस्कृत विभाग
जे .एस विश्वविद्यालय,
शिकोहाबाद, उत्तर प्रदेश

" **परियोजना** का शीर्षक"

"महाकवि कालिदास कृत मेघदूत का समीक्षात्मक अध्ययन"

"परियोजना कार्य"

"एम . ए (संस्कृत) की डिग्री के लिए आवश्यकताओं की आंशिक पूर्ति में प्रस्तुत"

2024

"पर्यवेक्षक"

"डॉ मानि ा सिंह

संस्कृत विभाग प्रमुख

जे .एस विश्वविद्यालय,

शिकोहाबाद, उत्तर प्रदेश

" भोधार्थी"

वर्शा सिकरवार

क्रमांक सख्या–224010209001

कला संकाय , हिन्दी विभाग

जे .एस विश्वविद्यालय,

शिकोहाबाद, उत्तर प्रदेश

– 283135

आभार

मैं अपना **एम.ए.** प्रोजेक्ट कार्य सफलतापूर्वक पूरा करने पर हार्दिक आभार व्यक्त करता/करती हूँ। इस प्रोजेक्ट के दौरान मुझे जिन व्यक्तियों का सहयोग प्राप्त हुआ, उनके प्रति मैं दिल से आभार प्रकट करना चाहता/चाहती हूँ।

सबसे पहले, मैं अपने मार्गदर्शक [**डॉ मानि ा सिंह**] का धन्यवाद करना चाहता/चाहती हूँ, जिन्होंने मुझे इस प्रोजेक्ट के दौरान बहुमूल्य मार्गदर्शन और समर्थन प्रदान किया। उनकी सलाह और प्रेरणा के बिना, यह कार्य संभव नहीं हो पाता।

इसके अलावा, मैं अपने माता-पिता, परिवार के सदस्यों और दोस्तों का आभार व्यक्त करता/करती हूँ, जिन्होंने मुझे निरंतर प्रोत्साहन और समर्थन दिया। उनके सहयोग और विश्वास ने मुझे इस प्रोजेक्ट को पूरा करने में सक्षम बनाया।

अंत में, मैं उन सभी स्रोतों, लेखकों और विद्वानों का धन्यवाद करना चाहता/चाहती हूँ, जिनके कार्यों ने मेरे शोध में योगदान दिया। उनके ज्ञान ने मुझे इस प्रोजेक्ट को अधिक समृद्ध और सार्थक बनाने में मदद की।

धन्यवाद।

नाम — **वर्शा सिकरवार**

संस्थान का नाम – **जे .एस विश्वविद्यालय,**
शिकोहाबाद, उत्तर प्रदेश

घोषणा पत्र

मैं, वर्शा सिकरवार ,एम. ए संस्कृत विभाग छात्र, यह घोषणा करता/करती हूँ कि मैंने महाकवि कालिदास कृत मेघदूत का समीक्षात्मक अध्ययन शीर्षक से प्रोजेक्ट कार्य स्वयं द्वारा, मार्गदर्शन में पूरा किया है। इस प्रोजेक्ट के सभी तथ्यों, आंकड़ों और सूचनाओं का संग्रहण एवं प्रस्तुतीकरण मेरी अपनी मेहनत और शोध का परिणाम है।

इस प्रोजेक्ट कार्य में प्रस्तुत जानकारी सत्य और सटीक है। मैंने इस प्रोजेक्ट को बनाने के लिए किसी भी अन्य स्रोत से नकल नहीं की है और न ही किसी अन्य व्यक्ति की सहायता से इसे पूरा किया है। यदि इस प्रोजेक्ट कार्य में किसी प्रकार की त्रुटि या गलती पाई जाती है, तो उसकी पूरी जिम्मेदारी मेरी होगी।

दिनांक: 12/7/2024
स्थान: ि◌ाकोहावाद
नाम: वर्शा सिकरवार
कक्षा/विभाग: संस्कृत विभाग

प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी ने **वर्शा सिकरवार,**विश्वविद्यालय/संस्थान **जे .एस विश्वविद्यालय,** के संस्कृत विभाग अंतर्गत [**"**महाकवि कालिदास कृत मेघदूत का समीक्षात्मक अध्ययन**"**] पर सफलतापूर्वक शोध कार्य पूर्ण किया है।

इनके द्वारा प्रस्तुत शोध कार्य, [शोध गाइड/सुपरवाइज़र का नाम] के मार्गदर्शन में किया गया है। प्रस्तुत शोध कार्य को ध्यान में रखते हुए संतोषजनक रूप से पूर्ण किया गया है।

हम इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

तिथि: [प्रमाण पत्र जारी करने की तिथि]
स्थान: [स्थान का नाम]

हस्ताक्षर:
[पद]
(शोध गाइड का नाम) - डॉ मानि ा सिंह
[विभाग/संस्थान का नाम] - संस्कृत विभाग
जे .एस विश्वविद्यालय,
शिकोहाबाद, उत्तर प्रदेश